

साईट विजिट रिपोर्ट

सरकारी स्कूलों में कम्प्यूटर शिक्षा

Computer Education Project at Government schools in Araziline Block of Varanasi

दिनांक 25 सितम्बर 2019 (बुधवार) को सुबह 10 बजे मैं आराजीलाइन ब्लॉक के हरसोस सरकारी विद्यालय पर पहुंचा, रास्ते में ही आशा कार्यकर्ता सुरेश राठोर से मुलाकात हो गयी थी. यह विद्यालय वाराणसी जनपद में सबसे अधिक छात्र संख्या वाला विद्यालय है, यहाँ एक ही परिसर में प्राथमिक (कक्षा 1 से 5) और पूर्व माध्यमिक (कक्षा 6 से 8) की कक्षाएं संचालित होती हैं. यहाँ कुल पंजीकृत बच्चों की संख्या 700 के लगभग है और 80 प्रतिशत के आस पास सामान्य उपस्थिति रहती है.

सबसे पहले हम प्रधानाध्यापक श्री श्यामलाल वर्मा जी से मिले उन्होंने बताया कि कम्प्यूटर शिक्षक अजय कुमार कक्षा आठ में हैं, उनसे ही ज्ञात हुआ कि इस विद्यालय में अजय जनवरी 2019 से नियमित आ रहे हैं, पूरे विद्यालय की अवधि में रहते हैं और बारी बारी सभी कक्षाओं में समय देते हैं.

इसके बाद हम कक्षा 8 में पहुंचे तो पाया कि यह केवल लड़कियों का सेक्शन था और लगभग 40 लड़कियाँ उपस्थित थीं. एक लैपटॉप पर एक छात्रा कुछ टाइप कर रही थी, जिसे शिक्षक अजय कुमार गाइड कर रहे थे. हमने हमने बच्चों से कुछ प्रश्न किये जैसे कम्प्यूटर क्या है ? इससे क्या क्या हो सकता है ? इससे क्या लाभ है ? हमें कम्प्यूटर क्यों जानना चाहिए ? इनपुट (input) आउटपुट (output) डिवाइस (device) क्या है ? इन्टरनेट क्या है ? पेंट, वर्ड में क्या क्या कर सकते हैं. बच्चे इन प्रश्नों का सहजता से जवाब दे पा रहे थे. मैंने उनसे ये भी जाना कि कम्प्यूटर की कक्षाएं कब से और किसके द्वारा चलाई जा रही हैं. कुछ बच्चों से पेंट (paint) और वर्ड (word) फ़ाइल में कुछ कार्य करने को कहा जो उन्होंने कर दिखाया. समस्या के बारे में एक स्वर से बच्चों ने बताया कि एक ही लैपटॉप होने और समय कम होने प्रयोगात्मक कार्य प्रायः नहीं हो पाता इसलिए प्रैक्टिस नहीं हो पाती, theory हमें अच्छे से समझा दी गयी है. बच्चों ने कम्प्यूटर की कॉपी भी बनाई थी जिस पर उन्होंने नोट्स तैयार किये थे.

कक्षा से बाहर आकर हमने अन्य शिक्षक और शिक्षिकाओं से कम्प्यूटर शिक्षा के 'आशा' के प्रयास के बारे में राय पूछी उन्होंने बताया कि यह बहुत ही अच्छा प्रयास है, बच्चे बहुत ही रुचि लेते हैं और उत्साहित रहते हैं, अजय कुमार बहुत ही नियमित रह कर पूरे लगन और इमानदारी से बच्चों को उनकी कक्षा के स्तर के हिसाब से जानकारी देते हैं. इनकी कक्षा में बच्चे बहुत ही अनुशासित रह कर सीखते हैं सभी कक्षाओं में समय निर्धारण कर दिया गया है जिससे सामान्य पठन पाठन में कोई असुविधा नहीं होती है.

इसके बाद हम प्राथमिक सेक्शन में गये और कक्षा 3 में जाकर उनके कम्प्यूटर ज्ञान के बारे में जानना चाहा. बच्चों ने कम्प्यूटर के काम, उसके प्रकार, parts, कम्प्यूटर बंद करने और खोलने के प्रक्रिया के बारे में आराम से बता दिया.

अजय ने बताया कि सितम्बर माह से वे सप्ताह में प्रथम 3 दिन हरसोस स्कूल में और शेष 3 दिन हरपुर में जाते हैं. हरपुर में कक्षाएं जल्द ही प्रारम्भ हुयी हैं अभी केवल 6-7 दिन ही हुए हैं.

हरसोस से निकल कर हम मेंहदीगंज प्राथमिक विद्यालय आ गये. इस विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्री राधे मोहन सिंह जी ने बताया कि कम्प्यूटर शिक्षक रोहित यहाँ सितम्बर माह के प्रारंभ से आ रहे हैं, सप्ताह में 3 दिन आते हैं, पिछले सप्ताह प्रशिक्षण के लिए बाहर गये थे. उन्होंने बताया कि एक निजी कम्पनी के सौजन्य से यहाँ लाइब्रेरी रूम बनवाया गया है जिसमें प्रोजेक्टर की सुविधा है. बिजली रहने पर रोहित इसी कक्ष में बच्चों को समझाते हैं. मेंहदी गंज स्कूल की कुछ पंजीकृत छात्र संख्या 317 है जिसमें 70 प्रतिशत उपस्थिति सामान्य तौर पर रहती है.

हम कक्षा पांच में पहुंचे जहाँ कम्प्यूटर शिक्षक रोहित बच्चों को लैपटॉप पर समझाते हुए मिले. बच्चों को कम्प्यूटर के बारे में सामान्य जानकारी थी . कुछ बच्चों ने कीबोर्ड पर टैप करके अपना अपने शिक्षक आदि का नाम लिखा. उन्हें इंटर, स्पेस, बैकस्पेस, शिफ्ट बटन का प्रयोग करने आ रहा था. बच्चों ने बताया कि पहले अजय सर यहाँ आते थे अब रोहित सर पढ़ाते हैं.

हम कक्षा 3 में भी गये जिसमें बच्चों को कम्प्यूटर के बारे में सामान्य जानकारी थी , वे पेंट में काम करने के बारे में जानते थे. रोहित ने बताया कि वे सप्ताह में प्रथम 3 दिन मेंहदीगंज और शेष 3 दिन गणेशपुर प्राथमिक विद्यालय में जाते हैं, जहाँ बच्चों की संख्या 150 के आस पास है.

इसके बाद हम जगतपुर प्राथमिक विद्यालय पहुंचे. यहाँ के प्रधानाध्यापक ने बताया कि कम्प्यूटर शिक्षिका गुंजन पटेल ने सितम्बर माह के प्रारंभ से आना प्रारंभ किया है. उन्हें कक्षावार समय सारिणी के हिसाब से कक्षा आबंटित कर दी गयी है. जगतपुर में बच्चों की संख्या 124 है और सामान्य उपस्थिति 90 प्रतिशत होती है. अभी तक मात्र 7-8 दिन ही कम्प्यूटर की कक्षा चली है. हम जिस समय पहुंचे तो गुंजन कक्षा 3 के बच्चों को गणित पढ़ा रही थीं. उन्होंने बताया कि बिजली न होने के कारण लैपटॉप discharge हो गया है. इसलिए बच्चों को अन्य विषय पढ़ा रही हूँ. हमारे साथ एक लैपटॉप था जिसे हमने लगाया और बच्चों से उनका, उनकी शिक्षिका और कक्षा अध्यापिका का नाम English में टाइप करने को कहा, कई बच्चों ने ऐसा कर के दिखाया. हमने कम्प्यूटर से सम्बंधित कुछ सामान्य जानकारी भी बच्चों से पूछी जिस पर उनका उत्तर संतोषजनक रहा. प्रधानाध्यापक ने बताया कि उनके विद्यालय पर एक कम्प्यूटर है जिस पर बिजली रहने पर बच्चे प्रैक्टिस करते हैं.

गुंजन से बताया कि यहाँ के अतिरिक्त प्राथमिक विद्यालय हरदत्तपुर में भी पढ़ाती हैं. जहाँ 150 के आस पास बच्चे हैं.

जगतपुर से निकल कर हम से 1 किलोमीटर दूर स्थित हरदत्तपुर प्राथमिक विद्यालय पहुंचे इस समय तक लगभग 1 बज चुके थे, विद्यालय बंद होने का समय नजदीक आ चुका था. विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापिका से हमारी मुलाकात हुयी उन्होंने बताया कि गुंजन यहाँ सप्ताह में 3 दिन आती हैं और पूरे विद्यालय अवधि में रहती हैं. बच्चों को कम्प्यूटर के बारे में सामान्य जानकारी दे रही हैं जिसमें बच्चे बहुत ही रुचि दिखा रहे हैं.

निष्कर्ष:

1. आशा राजातालाब की टीम द्वारा सरकारी प्राथमिक स्कूलों में कम्प्यूटर शिक्षा उपलब्ध कराने की यह कोशिश सार्थक और आवश्यक लगी. बच्चों और विद्यालय के अध्यापकों से बातचीत से स्पष्ट था कि बच्चे इस गतिविधि में बहुत रुचि ले रहे हैं और आशा द्वारा नियुक्त तीनो प्रशिक्षक गम्भीरता और जिम्मेदारी से इस कार्य का निर्वहन कर रहे हैं. वे विद्यालयों में नियमित रूप से जा रहे हैं और समय सारिणी के हिसाब से एक शिक्षक की तरह कक्षाएँ ले रहे हैं.
2. सभी विद्यालयों के अध्यापकों का पूरा सहयोग कम्प्यूटर शिक्षकों को मिल रहा है.
3. चेन्नई में हुए प्रशिक्षण से प्राप्त पाठ्यक्रम का प्रयोग करने से निश्चित रूप से गणित और अंग्रेजी जैसे विषयों को रोचक ढंग से कम्प्यूटर के माध्यम से बच्चों को समझाने में आसानी होगी.
4. प्रायः एक ही सिस्टम होने के कारण बच्चों को स्वयं से प्रैक्टिस करने का अवसर कम ही मिल पाता है और मात्र 1 प्रतिशत बच्चों के घरों में कम्प्यूटर उपलब्ध है इसलिए व्यावहारिक ज्ञान कम हो पायेगा.
5. हरसोस विद्यालय में छात्र संख्या और सेक्शन की अधिकता को देखते हुए एक मात्र कम्प्यूटर शिक्षक पर भार अधिक लग रहा है.
6. बिजली न होने बैटरी बैकअप की परेशानी होती है जिसका निवारण होना आवश्यक है.
7. अतिरिक्त स्रोत से विद्यालय में अन्य कम्प्यूटर सेट उपलब्ध कराने के बारे में अभिभावकों और अध्यापकों को आगे आना चाहिए.

वल्लभाचार्य पाण्डेय Mo: 9415256848 (ashakashi@gmail.com)



At Harsos Government School Class 8



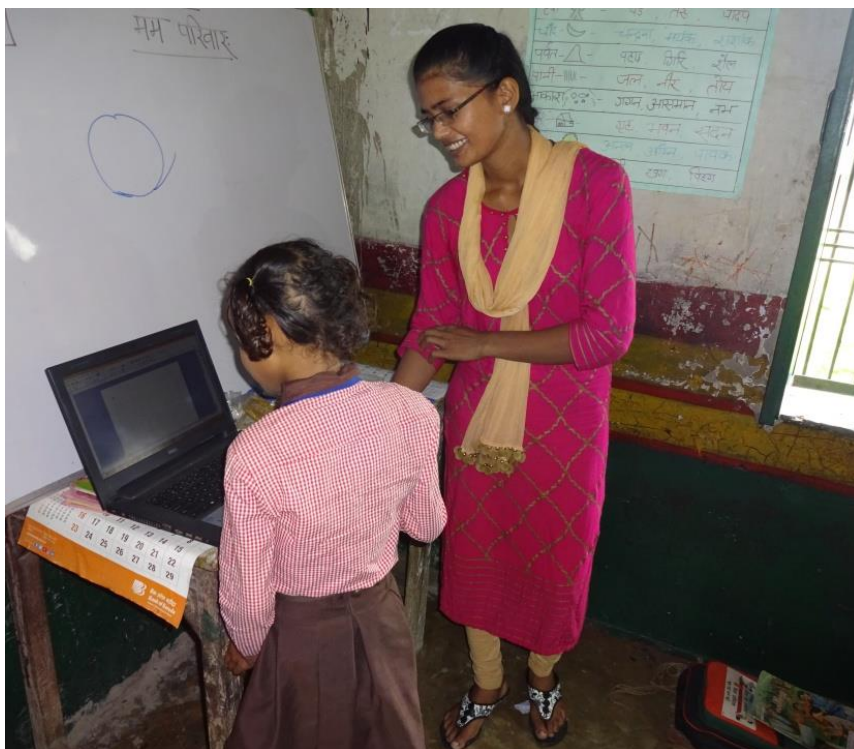
Ajay Kumar at Harsos School Class 3



At Menhadiganj Primary School Class 5



Rohit at Menhdigaj Pimary School Class 3



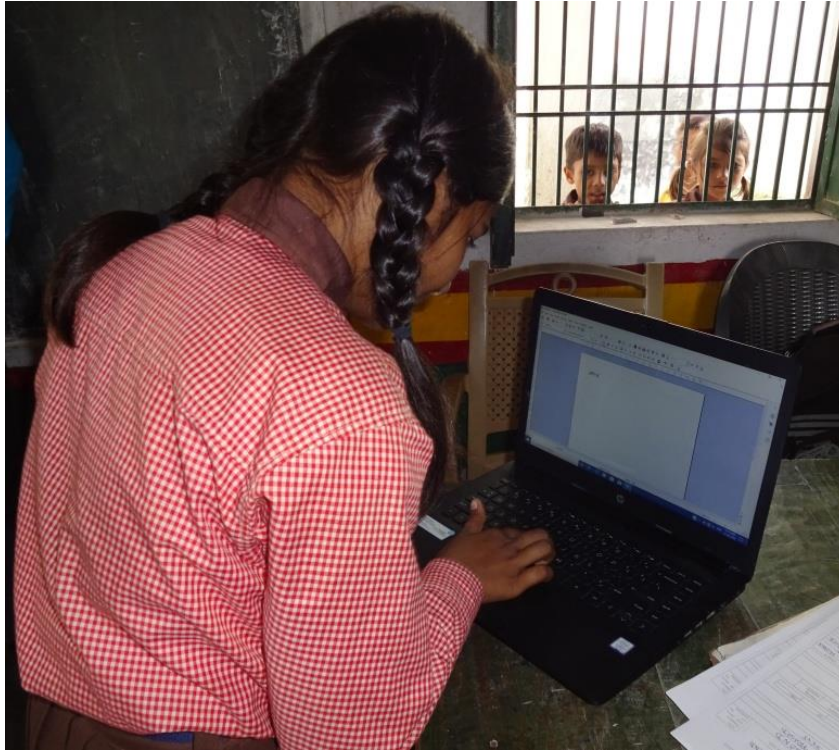
Gunjan At Jagatpur Primary School Class 3



At Jagatpur Primary School students of Class 3rd typing there name on Laptop



Hardattpur Primary School.



Harsos Class 8

Appendix

Meeting notes from discussion on site visit

Date

07 Oct 2019

Attendees

- Priya Swamy (Asha Austin)
- Mohit Sood (Asha Austin)
- Rangakrishnan Srinivasan (Asha Austin)
- Devyani Sirur (Asha Austin)
- Arvind Rao (Asha Austin)
- Prasenjit Biswas (Asha Austin)
- Saurabh Dixit (Asha Austin)
- Subra Nathan (Asha Austin)
- Rajaraman Krishnan (Asha Chennai)
- @suresh rathaur (Sangamam Rajatalab, UP India)
- @ramakrishnan chandrasekharan (Asha India)
- Vallabh Pandey (Asha Varanasi)

Goals

- Site visit report for Sangamam-Rajatalab
- Budget proposal

Discussion items

Time	Item	Who	Notes
Time	Item	Who	Notes
90 mins	Sangamam-Rajatalab site visit report	<u>Vallabh Pandey</u>	Project Website : https://ashanet.org/project/?pid=1319 Sangamam project focusses on teaching computer science to government primary school children in Rajatalab, Varanasi area in Uttar Pradesh, India. In addition, the project aims to

Time	Item	Who	Notes
Time	Item	Who	Notes
			<p>supplement the teaching of other subjects like Maths, Science, English etc</p> <p>Vallabh-ji normally likes to do a surprise visit but this time he couldn't since this was planned in advance.</p> <p>He went to 4 of the 6 schools this project has been working with.</p> <p>Access to computer is rare for these children so exposure to it is a big step for them.</p> <p>1st school he visited was Harsos public school.</p> <p>This school was the largest amongst all the 4 schools. It has about 700 children and 17 teachers.</p> <p>The headmaster confirmed that Ajay has been regularly visiting the school for last 6 months or so.</p> <p>After meeting the headmaster he went to a 8th Grade classroom which had 40 girls</p> <p>He saw that a student was using the computer, so he quizzed her on a few things and she was able to answer it confidently.</p> <p>Teachers in school seemed friendly in the school he visited.</p> <p>Teachers talked about how they and children were excited to learn computers.</p> <p>After lunch they went to a 3rd Grade classroom and also quizzed children about their computer knowledge.</p> <p>Ajay spends 3 days in Harsos and 3 days in Harpur.</p> <p>Next, he visited elementary school in Mehdiganj.</p> <p>This school was built with help of Coca Cola. There is a digital lab with a projector.</p> <p>The kids were not very good with using laptop as they had search for letters. But this is because they did not get practice since Rohit just started</p> <p>Rohit from the project has been coming here since beginning of September.</p> <p>Rohit spends 3 days here and other 3 days in Ganeshpur elementary</p> <p>Next he went to school in Jagatpur</p> <p>Here the headmaster said that Gunjan, who was teaching computer has been coming since September</p> <p>Number of children is around 120</p>

Time	Item	Who	Notes
Time	Item	Who	Notes
			<p>When he arrived in 3rd Grade classroom, children were learning Math</p> <p>Gunjan said due to a lot of power cuts, the laptop battery was drained so he was teaching them other subjects.</p> <p>Power backup or alternate solution would be nice to get for this school.</p> <p>Next he went to school in Hardutpur</p> <p>Since it was close to 1 pm the school day was wrapping up. He talked to a teacher who confirmed that Gunjan comes to teach the kids 3 days a week.</p> <p>Also had good feedback about children learning computers.</p> <p>Vallabh's conclusions from his site visit</p> <p>Asha's effort to provide computer education in government schools is good for children and needs to be sustained.</p> <p>It was clear from talking to teachers that children are excited about new computer curriculum in schools.</p> <p>There is full support from teachers and school.</p> <p>Government officer who is in-charge of local school also issued them a letter of support/recommendation so they can go teach computers in school.</p> <p>Teachers have got training from Asha Chennai in Math & English</p> <p>Once the training is complete, and the teachers teach systematically, it would be good to visit the schools again to gauge its impact.</p> <p>Would be good to ask nearby schools and parents association if someone can help provide computer access to children so they get more exposure.</p> <p>At Harsos, given the number of classrooms that Ajay is catering to, it would be a good idea for Ajay to spend more time OR have an additional teacher at the school.</p> <p>Some solution to electricity problems at Jagatpur would be good.</p> <p>Questions :</p> <p>How is the relationship of Asha Teachers with Teachers of Govt. schools?</p> <p>Vallabh :Teachers have received this well especially now with</p>

Time	Item	Who	Notes
Time	Item	Who	Notes
			<p>support from local officer. In some schools, teachers were not comfortable till they got the support letter from local officer. Are government school teachers interested in learning computers?</p> <p>Suresh : Teachers are already teaching 5 hours. Right now they did not show inclination in picking it up but say that children are happy and excited.</p> <p>We heard Vallabh talk about only computers being learnt in the schools. Is that the only thing being taught.</p> <p>Rajaram : Right now computer science is being taught with curriculum developed at Asha Chennai. Later on, modules that enhance Math & English based on Kanini project will be added. Rajaram will send details about curriculum.</p> <p>Suresh & Rajaram mentioned that there is a Diksha app which has learning material. This was started by Nandan Nilekani's NGO Ek Step. It is a web platform for delivery of learning content. https://diksha.gov.in/ interesting site to use for enhancing education through the use of QR code.</p> <p>Rajaram also mentioned that there is website called https://code.org/ that has coding curriculum starting from KG. They are planning to adopt to their curriculum. Also, he saw that website's teaching approach matched with what they are doing. So this is a good affirmation for them.</p> <p>What is the name of organization? We need FCRA details to transfer funds once checklist is approved.</p> <p>Funds to be transferred to Asha trust. Asha US handles Asha trust so nothing new in FCRA details.</p> <p>Budget Proposal</p> <p>Rajaram had sent a revised proposal for Rs. 4.2 lacs for 2019-20, includes one coordinator for potential hire in December, 3 teachers, cost of laptops and TLM, travel related expenses for volunteers to travel to Rajatalab/Chennai</p> <p>Budget for primary consideration is Rs. 4.2 lacs for 2019-20. Asha Austin may have additional 1 lakh rupees on top of the initial allocated budget. Would you like to use that this year?</p> <p>There are three teachers for the moment and there is budget for a coordinator.</p>

Time	Item	Who	Notes
Time	Item	Who	Notes
			Hold off on the 1 lakh Rupees till October 30th.